HINDI

(Three hours)

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

*You will **not** be allowed to write during the first 15 minutes.*

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers.

---

*This paper comprises of two Sections—**Section A** and **Section B**.*

*Attempt **all** the questions from Section A.*

*Attempt any **four** questions from Section **B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION A (40 Marks)

Attempt all questions

Question 1

Write a short composition in **Hindi** of approximately **250** words on any **one** of the following topics :— [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर **हिन्दी में** लगभग **250** शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :—

(i) बचपन की मधुर स्मृतियाँ मनुष्य के हृदय पर अंकित हो जाती हैं। उन मधुर स्मृतियों की याद आते ही हृदय अनोखे आनन्द से भर जाता है और मुँह से अपने-आप ये शब्द निकल पड़ते हैं—'काश, वे दिन फिर लौट आते !' अपने बचपन की उन आनन्दमय बातों का वर्णन कीजिए, जिन्हें याद कर आप आज भी आनन्दित होते हैं।

(ii) आज के युग में समाचार पत्र हमारी दैनिक आवश्यकताओं में से एक है। समाचार पत्र की उपयोगिता स्पष्ट करते हुए बताइए कि एक आदर्श समाचार पत्र में किन-किन बातों का समावेश होना चाहिए।

(iii) "आजकल की भागदौड़ भरी ज़िन्दगी में रिश्ते-नातों की अहमियत खत्म होती जा रही है''—इसके क्या कारण हैं ? आप इन रिश्तों को संजोने के लिए क्या करेंगे ?

(iv) एक मौलिक कहानी लिखिए, जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो :—

"दूर के ढोल सुहावने"

This Paper consists of 12 printed pages.

© Copyright reserved.

(v) नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए **अथवा** कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए ।

Question 2

Write a letter in **Hindi** in approximately **120** words on any **one** of the topics given below :— [7]

निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर **हिन्दी में** लगभग **120** शब्दों में पत्र लिखिए :—

(i) आप अपने मित्रों के साथ किसी पर्वतीय प्रदेश की यात्रा के लिए गए थे। वहाँ के प्राकृतिक सौन्दर्य का वर्णन करते हुए अपनी माताजी को पत्र लिखिए।

(ii) आप पिछले दो दिनों से विद्यालय में ठीक समय पर उपस्थित नहीं हो पा रहे थे। प्रधानाचार्य को विद्यालय में विलम्ब से पहुँचने का कारण बताते हुए क्षमादान के लिए पत्र लिखिए।

Question 3

Read the passage given below and answer in **Hindi** the questions that follow, using your own words as far as possible :—

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए । उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :—

बादशाह अकबर एक दिन शिकार खेलते हुए जंगल में भटक गए। शाम हो रही थी, अत: वह घोड़े को एक पेड़ से बाँधकर नमाज़ पढ़ने बैठ गए। बादशाह अकबर ने नमाज़ पढ़ना आरम्भ ही किया था कि एक औरत उनसे टकराती हुई, उनके पास से निकल गई। बादशाह का ध्यान भंग हो गया। आँख खोलकर देखा, एक बदहवास औरत तेजी से भागी चली जा रही थी। उसका धक्का खाकर बादशाह अकबर को बहुत बुरा लगा। उन्होंने जल्दी-जल्दी नमाज़ पढ़ी और फिर घोड़े पर सवार होकर उस औरत के पीछे भागे।

भागती हुई औरत को उन्होंने शीघ्र ही जा पकड़ा और पूछा, "क्यों री, बदतमीज़ ! तूने मुझे धक्का क्यों दिया ?"

वह औरत बादशाह अकबर की बात सुनकर हैरान हुई। उसने पूछा, "कौन हैं आप ? कैसा धक्का ? कब लगा ? कहाँ थे आप ?"

यह बात सुनकर बादशाह अकबर उत्तेजित हो गये। उस औरत की यह गुस्ताखी उन्हें अच्छी नहीं लगी। उन्हें अपने सम्राट् होने का अहसास था, इसलिए आँखें लाल करके बोले—"अरी गुस्ताख ! मैं नमाज़ पढ़ रहा था, तू पास से भागती हुई आई और धक्का देकर निकल गई। तूने मेरी नमाज़ में खलल डाल दिया।"

औरत ने घबराये बिना सहज स्वभाव में कहा, "इस बारे में मुझे कुछ नहीं मालूम। मैंने आपको नहीं देखा। हो सकता है, भागते हुए मेरा धक्का आपको लग गया हो, मगर आपका धक्का तो मुझे नहीं लगा। धक्के का लगना और उसका अनुभव दोनों ओर से होता है, एक तरफ से तो नहीं होता। आपको मेरा धक्का लगा, मगर मुझे तो कुछ भी पता नहीं।"

बादशाह अकबर और भी अधिक क्रोधित होकर बोले, "तो क्या मैं झूठ बोल रहा हूँ ? नमाज़ पढ़ते हुए धक्का दे गई और अब ऊपर से बदज़बानी और मुँहजोरी करती है।"

वह औरत हँसते हुए बोली, "मुझे क्या पड़ी है, आपको धक्का देने की ! मैं तो अपने प्रिय पुत्र से मिलने जा रही हूँ, जो समुद्री-यात्रा से लौटा है। पुत्र से मिलने के विचार से, पुत्र-प्रेम में अपना आपा खोकर हो सकता है मैं आपसे टकरा गई होऊँगी, मगर ताज्जुब तो इस बात का है कि आप दुनिया के मालिक, सबसे बड़े प्रेमी के ध्यान में, उनके प्रेम में कैसे कच्चे ढंग से बैठे थे कि आपको मेरे धक्के का पता लग गया, जबकि मैं अपने प्रिय पुत्र के ध्यान में, उसके प्रेम में किसी भी धक्के को न जान सकी।"

वह प्रेम ही क्या जो संसार की अनेकरूपता को मिटाकर प्रेम-पात्र के प्रति समानता न स्थापित कर सके। लम्बे समय के बाद पुत्र से मिलने की प्रेम-भावना ने माँ के सामने पुत्र के अतिरिक्त सब कुछ ओझल कर दिया था। उस समय वह बड़े-छोटे, बादशाह या प्रजा सभी भेदों को मिटा चुकी थी।

अकबर के लिए यह आँख खोलने वाली घटना थी। वह अल्लाह की इबादत करते हुए भी, उसके प्रति प्रेम-भाव प्रकट करते हुए भी एकाग्र न हो सका था।

वास्तव में सब कुछ छोड़कर केवल ईश्वर को पाने की इच्छा जगाना ही, उसके प्रति सच्ची भक्ति होती है, सच्चा प्रेम होता है। अपने अहम् से मुक्ति पाये बिना व्यक्ति परमात्मा से एकरूपता स्थापित नहीं कर सकता, परमात्मा को नहीं पा सकता। जिस व्यक्ति के हृदय में प्रेम-भाव उत्पन्न नहीं होता, वह जीवित होते हुए भी मृत के समान है। प्रेम परायों को भी अपना बनाता है, जबकि घृणा और अभिमान मनुष्य को मनुष्य से दूर करता है।

(i) बादशाह अकबर कहाँ नमाज़ पढ़ रहे थे और क्यों ? [2]

(ii) औरत तेजी से क्यों भागी जा रही थी ? उसका धक्का लगने पर बादशाह अकबर को कैसा अनुभव हुआ ? [2]

(iii) औरत की किस बात को सुनकर बादशाह अकबर उत्तेजित हुए और क्यों ? [2]

(iv) बताइए कि बादशाह अकबर ने धक्के को क्यों महसूस किया तथा औरत ने धक्के को क्यों महसूस नहीं किया ? [2]

(v) प्रस्तुत गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिली ? [2]

Question 4

Answer the following according to the instructions given :—

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :—

(i) निम्न शब्दों से विशेषण बनाइए :—

नमक, ईमानदारी। [1]

(ii) निम्न शब्दों में से किसी **एक** शब्द के **दो** पर्यायवाची शब्द लिखिए :—

कपड़ा, मछली। [1]

(iii) निम्न शब्दों में से किन्हीं **दो** शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए :—

भाग्यवान, बंधन, सगुण, संध्या। [1]

(iv) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी **एक** की सहायता से वाक्य बनाइए :—

चेहरा उतरना, गले का हार। [1]

(v) भाववाचक संज्ञा बनाइए :—

उड़ना, देव। [1]

(vi) कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :—

(a) विष्णुशर्मा अच्छे कुल में जन्म लेने वाले ब्राह्मण थे।

(रेखांकित शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कीजिए) [1]

(b) आसमान में चिड़िया उड़ रही है।

(बहुवचन में बदलिए) [1]

(c) बालक गुड्डे से खेल रहा है।

(रेखांकित शब्दों के लिंग बदल कर वाक्य दोबारा लिखिए।) [1]

SECTION B (40 Marks)

*Attempt **four** questions from this Section.*
*You must answer at least **one** question from each of the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

गद्य-संकलन

Question 5

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

अजी, क्या बात थी उनके व्यक्तित्व की। क्या देखने में, क्या सुनने में वे एक अपूर्व मनुष्य थे। कौन था भला ऐसा, जिस पर वे मिलते ही छा न जाते। संसार के देशों में घूमकर वे अपने देश में लौटे, तो उन्होंने अपना सारा अनुभव एक ही वाक्य में भरकर बिखेर दिया। वह अनुभव ही तो वह भूकम्प था, जिसने मेरी पूर्णता की ठसक को अपूर्णता की कसक में बदल दिया।

-मैं और मेरा देश-

लेखक-कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

(i) उक्त वाक्य किस व्यक्ति के विषय में कहा गया है ? लेखक ने किस अनुभव को भूकम्प कहा है ? [2]

(ii) उस व्यक्ति के चरित्र में क्या-क्या विशेषताएँ थी ? [2]

(iii) लेखक को अपनी स्थिति सुन्दर और पूर्ण कब प्रतीत होती थी ? पूर्णता की ठसक अपूर्णता की कसक में कब, क्यों बदल गई ? [3]

(iv) प्रस्तुत पाठ में लेखक ने देश के नागरिकों को आम चुनावों में किन बातों पर ध्यान देने का सुझाव दिया है ? [3]

Question 6

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

'समधियों का मामला ठहरा, सो भी पैसे वाले। खाली हाथ जाऊँगी तो अच्छा नहीं लगेगा। मैं तो पुराने ज़माने की ठहरी, तू ही बता दे, क्या दूँ ? अब कुछ बनने का समय तो रहा नहीं, दो दिन बाकी हैं, सो कुछ बना-बनाया ही खरीद लाना।'

-अकेली-

लेखिका-मन्नू भंडारी

(i) श्रोता कौन है ? उसने वक्ता की इस बात का क्या उत्तर दिया ? [2]

(ii) समधी कौन हैं ? सोमा बुआ वहाँ क्यों जाना चाहती थीं ? [2]

(iii) सोमा बुआ ने समधियों के यहाँ जाने के लिए क्या-क्या तैयारियाँ कीं ? श्रोता क्या-क्या सामान लेकर आई ? उन वस्तुओं को पाकर उन्हें कैसा अनुभव हुआ ? [3]

(iv) प्रस्तुत कहानी किस प्रकार की कहानी है ? सोमा बुआ जैसी स्त्रियों को समाज में किस प्रकार के कष्ट झेलने पड़ते हैं ? अपने विचार दीजिए। [3]

Question 7

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

बरामदे में पहुँचते ही शामनाथ सहसा ठिठक गये। जो दृश्य उन्होंने देखा, उससे उनकी टाँगें लड़खड़ा गयीं, और क्षण-भर में सारा नशा हिरन होने लगा। बरामदे में ऐन कोठरी के बाहर माँ अपनी कुर्सी पर ज्यों की त्यों बैठी थीं मगर दोनों पाँव कुर्सी की सीट पर रखे हुए और सिर दायें से बायें और बायें से दायें झूल रहा था और मुँह में से लगातार गहरे खर्राटों की आवाजें आ रही थीं।

-चीफ की दावत-

लेखक-भीष्म साहनी

(i) बरामदे में पहुँचते ही शामनाथ क्यों ठिठक गए, सप्रसंग समझाएँ। [2]

(ii) उस दृश्य को देखकर उपस्थित लोगों ने कैसी प्रतिक्रिया व्यक्त की ? [2]

(iii) माँ ने चीफ से कौन सा हाथ मिलाया, उसका क्या कारण था ? [3]

(iv) प्रस्तुत कहानी में नई पीढ़ी की किस दृष्टि व व्यवहार का परिचय मिलता है ? [3]

चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य

लेखक—प्रकाश नगायच

Question 8

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

शकराज खारवेल ने ठहाके लगाते हुए कहा—"खैर, क्या कहा है रामगुप्त ने ?"

शकराज खारवेल की इस अभद्रता पर मगध के राजदूत का समूचा शरीर क्रोध से जल उठा। जी चाहा कि इस अभद्रता का शकराज को अभी मजा चखा दे लेकिन अपने पद की परम्परा ध्यान में आते ही वह इस हलाहल को मौन रहकर पी गया।

(i) शकराज खारवेल कौन था ? उसने क्या अभद्रता की थी ? [2]

(ii) राजदूत शकराज खारवेल के पास क्या संदेश लेकर गया था ? [2]

(iii) राजदूत के पद की परम्परा के विषय में आप क्या जानते हैं ? इस समय क्या सोच कर, किस प्रकार राजदूत ने अपने कर्त्तव्य का पालन किया ? [3]

(iv) 'देश की रक्षा के लिए युद्ध करना वीरों का धर्म और आभूषण होता है।"—प्रस्तुत संदर्भ को ध्यान में रखकर एक अनुच्छेद में अपने विचार दीजिए। [3]

Question 9

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

युद्ध की स्थिति बहुत ही भंयकर हो गई थी। वसुमित्र के सामने स्वयं सम्राट् चन्द्रगुप्त अपने श्वेत हाथी पर सवार युद्ध कर रहे थे। दाहिनी ओर भद्रसेन के पैदल सैनिक थे और बायीं ओर मगध सेना के प्रधान सेनापति वीरसेन थे और पीछे की ओर था अग्निमित्र, जिसके अश्वारोही वाह्लिकों को कुचलते हुए आगे बढ़े चले जा रहे थे।

(i) वाह्लिक किन्हें कहा गया है ? वसुमित्र का परिचय दीजिए। [2]

(ii) संध्या समय युद्ध के बंद होने पर वसुमित्र की मन:स्थिति कैसी हो गई थी ? उसने अन्त में क्या किया ? [2]

(iii) आपकी दृष्टि में वसुमित्र की सेना की पराजय के क्या कारण थे ? [3]

(iv) "गुप्त सम्राट् चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य की जय"—यह विजयघोष किसने, कब किया था ? चन्द्रगुप्त की 'विक्रमादित्य' उपाधि उसके किन गुणों की परिचायक थी ? [3]

Question 10

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"आर्य समुद्रगुप्त के सिंहासन पर बैठ कर तुमने अपनी विवाहिता पत्नी को शकों के हाथों सौंप कर कायरता ही नहीं, नीचता का भी सबूत दिया है, और इस कायरता के अलावा ऐसा कौन सा अन्याय है जो तुमने नहीं किया ? चन्द्रगुप्त का युवराज-पद छीना, मेरे साथ ज़बरदस्ती विवाह किया; अपने और अपने साथियों के सुख और स्वार्थ के लिए राज्य की ओर से सार्वजनिक हित के लिए दी जाने वाली सहायताएँ ही बंद नहीं कीं, उनकी सम्पत्ति पर भी अधिकार कर लिया और प्रजा पर मनमाने कर लगाए।''

(i) इस कथन का वक्ता व श्रोता कौन है ? सन्दर्भ बताइए। [2]

(ii) वक्ता ने श्रोता पर क्या-क्या दोषारोपण किए ? [2]

(iii) इन कठोर शब्दों की श्रोता पर क्या प्रतिक्रिया हुई ? [3]

(iv) इस स्थिति का क्या परिणाम हुआ ? [3]

एकांकी सुमन

Question 11

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"फिरंगी जगदीशपुर में नहीं हैं। कुमार अमरसिंह आज शाम ही दल-बल सहित वहाँ पहुँच रहे हैं। दक्खिन का सारा इलाका हाथ में आ गया है। आपके पहुँचने भर की देर है। भोजपुर की सारी रैयत जगदीशपुर के झंडे के नीचे फिर जमा हो रही है। आज़मगढ़ की लड़ाई की चर्चा से महाराज का असर दिन-दूना, रात-चौगुना बढ़ रहा है।''

-विजय की वेला-

लेखक-जगदीशचन्द्र माथुर

(i) यह कथन कौन, किसे पढ़कर सुना रहा है ? [2]

(ii) खरीता लाने वाला व्यक्ति कौन है ? उससे कौनसी खता हुई थी ? [2]

(iii) श्रोता का चरित्र-चित्रण कीजिए। [3]

(iv) 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के विषय में आप क्या जानते हैं ? एक अनुच्छेद में उत्तर दीजिए। [3]

Question 12

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"लोगों को जो कहना है, कहते रहें। मैं किसी का दिया नहीं खाता। जो इच्छा होगी, करूँगा और तुझे भी बता दूँ—मुझे तेरे व्याख्यान की ज़रूरत नहीं है।"

-मेल-मिलाप-

लेखक— देवराज 'दिनेश'

(i) उपर्युक्त कथन का वक्ता कौन है ? संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]

(ii) वक्ता लोगों की परवाह क्यों नहीं करता है ? [2]

(iii) श्रोता कौन है ? वह वक्ता को क्या सुझाव देती है और क्यों ? [3]

(iv) वक्ता का अपनी पत्नी के विषय में क्या विचार है ? उसने यह विचार कब और किसके सामने प्रकट किया ? [3]

Question 13

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

"मुझे उस पर कोई विश्वास नहीं रहा। उसका कोई भरोसा नहीं— 'कैलस' और क्रूर ! उसका काम सताये हुओं को और सताना है, जले हुओं को और जलाना है।"

"दीवाने न बनो, चलो, उसके सिरहाने चलकर बैठो ! मैं देखता हूँ, भाषी अभी क्यों नहीं आया ?"

-लक्ष्मी का स्वागत-

लेखक—उपेन्द्रनाथ 'अश्क'

(i) प्रस्तुत वार्त्तालाप किन व्यक्तियों के बीच हो रहा है ? उनका आपस में क्या सम्बन्ध है ? [2]

(ii) भाषी कहाँ गया था और क्यों ? [2]

(iii) वक्ता को किस पर विश्वास नहीं रहा और क्यों ? इस समय उसकी मन:स्थिति कैसी है ? [3]

(iv) 'लालच मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है।' इस कथन की व्याख्या एकांकी के संदर्भ में कीजिए। [3]

काव्य-चन्द्रिका

Question 14

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

तन की स्वतंत्रता चरित्र का निखार है
मन की स्वतंत्रता विचार की बहार है
घर की स्वतंत्रता समाज का सिंगार है
पर देश की स्वतंत्रता अमर पुकार है
टूटे कभी न तार यह अमर पुकार का-
तुम साधना करो, अनन्त साधना करो,
तुम साधना करो।
हम थे अभी-अभी गुलाम, यह न भूलना
करना पड़ा हमें सलाम, यह न भूलना
रोते फिरे उमर तमाम, यह न भूलना
था फूट का मिला इनाम, यह न भूलना
बीती गुलामियाँ न लौट आएँ फिर कभी
तुम भावना भरो, स्वतंत्र भावना भरो,
तुम भावना भरो।

-नवीन कल्पना करो-
कवि—गोपाल सिंह नेपाली

(i) 'तन की स्वतंत्रता' और 'मन की स्वतंत्रता' में क्या अन्तर है ? [2]

(ii) देश की स्वतंत्रता के लिए कवि अनन्त साधना करने के लिए क्यों कहता है ? [2]

(iii) गुलामी के समय भारतीयों को क्या-क्या कष्ट झेलने पड़े थे ? हमें उन्हें क्यों याद रखना चाहिए ? [3]

(iv) आपकी दृष्टि में भारत की गुलामी के क्या कारण थे ? 'बीती गुलामियों' को न लौटने देने के लिए हमें क्या करना चाहिए ? [3]

Question 15

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

कबीर संगति साधु की, बेगि करीजै जाइ।
दुरमति दूरि गंवाइसी, देसी सुमति बताइ।।
निंदक नियरे राखिये, आँगन कुटी छवाय।
बिन पानी साबुन बिना, निरमल करे सुभाय।।

-नीति के दोहे-I-
—कबीरदास

(i) कबीरदास जी किन लोगों की संगति करने के लिए कहते हैं और क्यों ? [2]

(ii) 'निन्दक' का क्या अर्थ है ? निन्दक को कहाँ रखना चाहिए एवं क्यों ? [2]

(iii) निन्दक हमारे स्वभाव को किसप्रकार निर्मल बनाता है ? समझाकर लिखिए। [3]

(iv) कबीरदास जी की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए। [3]

Question 16

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :—

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में लिखिए :—

कलह प्रेत की मूर्ति ! —अरे ओ मानव भोले,
धरती के इस प्रेम तीर्थ में पावन हो ले।
तू इसको रुधिराक्त करों से आया छूने,
खण्ड-खण्ड कर इसे काटना चाहा तूने।

पर अब भी यह वही अखंडित है, अमलिन है,
चिर-नूतन फल-फूल लिए शोभित प्रतिदिन है।
तुम दो का विष-बैर शान्ति सह पी जाती है,
नव-नव जीवन-सुधा पिला लौटा लाती है।

-सम्मिलित-

कवि—सियारामशरण गुप्त

(i) 'कलह प्रेत की मूर्ति' कहने का क्या तात्पर्य है ? कवि मानव को क्या करने के लिए कह रहा है ? [2]

(ii) धरती को खण्डित करने के प्रयास का क्या परिणाम हुआ ? [2]

(iii) धरती 'विष-बैर' किस प्रकार पीती है और उसे किस रूप में लौटाती है ? आपको इस कविता से क्या प्रेरणा मिली ? [3]

(iv) निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए :—

रुधिराक्त, अमलिन, सुधा, अखंडित, चिर-नूतन, पावन। [3]